दैनिक यशोभूमि
नया तेवर, नया कलेवर
मुंबई । शनिवार, 3 जनवरी 2026

ट्रेड और कॉमर्स को आगे बढ़ाता रहेगा वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई

यशोभूमि/प्रतिनिधि

मुंबई। भारत 2026 में कदम रख चुका है, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई अपने स्टॉकहोल्डर्स, पार्टनर्स, सदस्यों और बड़े ट्रेड और इंडस्ट्री

कलंत्री ने 2025 की उपलब्धियों पर की बात

कम्युनिटी को दिल से बधाई और शुभकामनाएं देता है। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई के चेयरमैन और ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ़ इंडस्ट्रीज के प्रेसिडेंट, डॉ. विजय कलंत्री ने पूरे साल ऑर्गनाइजेशन की अचीवमेंट्स पर बात करते हुए कहा, साल 2025 में डब्ल्यूटीसी मुंबई के लिए कई अहम पड़ाव आए, क्योंकि इसने इंडियन बिजनेस को ग्लोबल मौकों से जोड़ने वाले एक प्रीमियर ट्रेड

फैसिलिटेशन प्लेटफॉर्म के तौर पर अपनी जगह मजबूत की।

ऑर्गनाइजेशन ने 10वें ग्लोबल इकोनॉमिक समिट, 6वें वर्ल्ड ट्रेड एक्सपो और डब्ल्यूटीसीए एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस समेत कई हाई-इम्पैक्ट इनिशिएटिव्स को कामयाबी से ऑर्गनाइज किया,

बड़ी चुनौतियां पेश करेगा

लगातार ग्रोथ और इंस्टीट्यूशनल एक्सीलेंस के लिए एक विजन बताते हुए, डॉ. कलंत्री ने अपने नए साल के मैसेज में कहा, जैसे ही हम 2026 में कदम रख रहे हैं, आने वाला साल पहले कभी नहीं देखे गए मौके और बड़ी चुनौतियां पेश करेगा। ग्लोबल ट्रेड लैंडस्केप में स्ट्रक्चरल बदलाव हो रहे हैं, जो बदलती सप्लाई चेन, डिजिटल कॉमर्स इंटीग्रेशन, क्लाइमेट की जरूरतों और जियोपॉलिटिकल बदलावों से पहचाने जा रहे हैं। इस मामले में, डब्ल्यूटीसी मुंबई जैसे इंस्टीट्यूशन पुल का काम करते हैं—जो उभरते हुए भारतीय एंटरप्रेन्योर्स को ग्लोबल मार्केट से जोड़ते हैं, पॉलिसी फ्रेमवर्क को बिजनेस में बदलते हैं, और यह पक्का करते हैं कि ट्रेड की सच्चाई सस्टेनेबल डेवलपमेंट का जरिया बने।

जिनमें से हर एक पॉलिसी डायलॉग, बिजनेस नेटवर्किंग और ट्रेड प्रमोशन के लिए एक स्ट्रेटेजिक नेक्सस के तौर पर काम कर रहा है। इन फ्लैगशिप इवेंट्स के अलावा, डब्ल्यूटीसी मुंबई ने कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप्स, ट्रेड एजुकेशन प्रोग्राम्स और बाइलेटरल ट्रेड फैसिलिटेशन मिशन्स के जरिए एमएएसई के लिए अपना कमिटमेंट और गहरा किया।

सरकारी बॉडीज, इंटरनेशनल ट्रेड डेलीगेशन्स और इंडस्ट्री एसोसिएशन्स के साथ ऑर्गनाइजेशन के लगातार एंगेजमेंट ने ग्लोबल ट्रेड आर्किटेक्चर में इंडिया की स्ट्रेटेजिक पोज़िशनिंग को मज़बूत किया और पॉलिसी ऑब्जेक्टिव्स को टैंजिबल कमर्शियल आउटकम्स में बदलने में इंस्टीट्यूशन के कैटेलिटिक रोल को दिखाया।